Need to celebrate 'Mahila Suraksha Divas' to ensure protection of women

श्रीमती कहकशां परवीन (बिहार): उपसभापति जी, आपका बहुत-बहुत शुक्रिया कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया है।

महोदय, नारी को शास्त्रों में, हर जाति और हर धर्म में बहुत ऊँचा स्थान दिया गया है। शास्त्रों में कहा गया है :

"यत्र नार्यस्तु पूजयन्ते, रमन्ते तत्र देवता"

अर्थात्, जहाँ नारियों की पूजा होती है, वही देवता का वास होता है।

महोदय, औरतों के साथ जो घटनाएँ घट रही हैं, वे बहुत दुखद घटनाएँ हैं। जब कोई घटना घटती है, तब पूरा देश आक्रोशित हो उठता है और लोग सड़क पर उतर आते हैं, लेकिन मैं यह कहूंगी कि कही न कही हमारे समाज में कोई कमी रह गई है, जिसकी वजह से ऐसी घटनाएँ रुकने का नाम नही ले रही हैं।

महोदय, जब हम कोई दिवस मनाते हैं, 26 जनवरी या 15 अगस्त मनाते हैं, तब हमारे तीन साल के बच्चे, पाँच साल के बच्चे, जिनको यह भी पता नही होता है कि हम 26 जनवरी या 15 अगस्त क्यों मनाते हैं, वे हमारे तिरंगे को लेकर अपनी तोतली ज़बान से "जन-गण-मन" गाते हैं या "झंडा ऊँचा रहे हमारा" गाते हैं, उसे सुनकर हमें बहुत अच्छा लगता है और हम बार-बार कहते हैं कि इस गाने को दोहराओ। महोदय, जहाँ तक नारी की सुरक्षा की बात है, सरकार इस पर काम कर रही है। वह चाहे केंद्र की सरकार हो या राज्य की सरकार हो, वह अपना काम कर रही है, लेकिन ऐसी घटनाएँ रुकने का नाम नही ले रही हैं। जब हम किसी चीज़ के लिए एक मुहिम चलाते हैं, तभी हमें कामयाबी मिलती है। जैसे हमने स्वच्छता के लिए एक "स्वच्छता अभियान" चलाया, जिसके कारण हर आदमी के ज़ेहन में यह बात आती है कि हमें स्वच्छ रहना है, जिससे हमारी सेहत स्वस्थ्यमंद रहे। नारी के साथ जो घटनाएँ घट रही हैं, उनके लिए मैं आपसे यह कहना चाहती हूं कि हम जिस प्रकार से "टीचर्स डे" मनाते हैं, "डॉक्टर्स डे" मनाते हैं, "इंजीनियर्स डे" मनाते हैं, "फादर्स डे" मनाते हैं, "मदर्स डे" मनाते हैं , यहाँ तक कि हिंदुस्तान ने "योग दिवस" मना-मनाकर "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस" मनाने का काम भी किया है, उसी प्रकार से मैं महिलाओं की सुरक्षा के लिए सरकार से यह चाहती हूं कि वह सप्ताह में एक दिन या एक सप्ताह "नारी सुरक्षा दिवस" के लिए तय करे, जिसमें मुख्यालय से लेकर पंचायत और गाँव तक तथा सारे मंत्रालयों के जो लोग हैं, वे एक होकर "नारी सुरक्षा दिवस" मनाएं या "नारी सुरक्षा सप्ताह" मनाएं, जिससे कि हमारे समाज के अंदर, ऐसे कुछ लोग, जो इस प्रकार का घिनौना काम करते हैं उनके मन में इसके प्रति डर पैदा हो और महात्मा गाँधी जी ने जो कहा है कि हम ऐसे समाज का निर्माण करें, जहाँ कानून का कम से कम इस्तेमाल हो, हम वैसा समाज बनाएं। इसलिए मैं सरकार से चाहती हूं कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए "महिला सुरक्षा दिवस" या "महिला सुरक्षा सप्ताह" मनाया जाए।

[श्रीमती कहकशां परवीन]

† **محترمہ کہکشاں پروین (بہار) :** سبھا پتی جی، آپ کا بہت بہت شکریہ کہ آپ نے مجھے بولنے کا موقع دیا ہے۔

مہودے، ناری کو شاستروں میں، ہرجاتی اور ہر دھرم میں بہت اونچا مقام دیا گیا ہے۔ شاستروں میں کہا گیا ہے :

"یتر نارنیستو پوجینتے، رمنتے تتر دیوتا"

یعنی، جہاں ناریوں کی پوجا ہوتی ہے، وہیں دیوتا کا واس ہوتا ہے۔

مہودے، عورتوں کے ساتھ جو گھٹنائیں گھٹ رہی ہیں، وہ بہت دکھد گھٹنائیں ہیں۔ جب کوئی گھٹنا گھٹتی ہے، تو پورا دیش آکروشت ہو اٹھتا ہے اور لوگ سڑک پر اتر آتے ہیں، لیکن میں یہ کہوں گی کہ کہیں نہ کہیں ہمارے سماج میں کوئی کمی رہ گئی ہے، جس کی وجہ سے ایسی گھٹنائیں رکنے کا نام نہیں لے رہی ہیں۔

مہودے، جب ہم کوئی دوس مناتے ہیں، 26 جنوری یا 15 اگست مناتے ہیں، تب ہمارے تین سال کے بچے، پانچ سال کے بچے، جن کو یہ بھی پتہ نہیں ہوتا ہے کہ ہم 26 جنوری یا 15 اگست کیوں مناتے ہیں وہ ہمارے ترنگے کو لے کر اپنی توتلی زبان سے "جن-گن-من" گاتے ہیں یا "جھنڈا اونچا رہے ہمارا" گاتے ہیں، اسے سن کر ہمیں بہت اچھا لگتا ہے اور ہم بار بار کہتے ہیں کہ اس گانے کو دوہراؤ۔

مہودے، جہاں تک ناری کی حفاظت کی بات ہے، سرکار اس پر کام کررہی ہے۔ وہ چاہے مرکز کی سرکار ہو یا ریاستی سرکار ہو، وہ اپنا کام کررہی ہے، لیکن ایسی گھٹنائیں رُکنے کا نام نہیں لے رہی ہیں۔ جب ہم کسی چیز کے لیے ایک مہم چلاتے ہیں، تبھی ہمیں کامیابی ملتی ہے۔ جیسے ہم نے سوچھتا کے لیے ایک ''سوچھتا ابھیان'' چلایا، جس کی وجہ سے ہر آدمی کے ذہن میں یہ بات آتی ہے کہ ہمیں سوچھ رہنا ہے، جس سے ہماری صحت سوستھمند رہے۔ ناری کے ساتھ جو گھٹنائیں گھٹ رہی ہیں، ان کے لیے میں آپ سے یہ کہنا چاہتی ہوں کہ ہم جس طرح سے ٹیچرس ڈے مناتے ہیں، ڈاکٹرس ڈے مناتے ہیں، انجینئر ڈے مناتے ہیں، فادرس ڈے مناتے ہیں، مدرس ڈے مناتے ہیں، یہاں تک کہ ہندستان نے یوگ دوس مناکر انترراشٹریہ یوگ دِوس منانے کا کام بھی کیا ہے، اسی طرح سے میں مہیلاؤں کی سرکشا کے لیے سرکار سے یہ چاہتی ہوں کہ وہ ہفتہ میں ایک دن یا ایک ہفتہ ''ناری سرکشا دوس'' کے لیے طے کرے، جس میں مکھیالہ سے لیکر پنچایت اور گاؤں تک اورسارے منترالیوں کے جو لوگ ہیں، وہ ایک ہوکر ''ناری سرشکا دوس'' منائیں یا ''ناری سرشکا ہفتہ'' منائیں، جس سے کہ ہمارے سماج کے اندر، ایسے کچھ لوگ، جو اس طرح کا گھناؤنا کام کرتے ہیں ان کے من میں اس کے تئیں ڈر پیدا ہو اور مہاتما گاندھی جی نے جو کہا ہے کہ ہم ایسے سماج کا نرمان کریں، جہاں قانون کا کم سے کم استعمال ہو، ہم ویسا سماج بنائیں۔ اس لیے میں سرکار سے چاہتی ہوں کہ مہیلاؤں کی حفاظت کے لیے ''مہیلا سرشکا دوس'' یا ''مہیلا سرشکا ہفتہ'' منایا جائے۔

†Transliteration in Urdu script.

श्री उपसभापति: जो माननीय सदस्यगण एसोसिएट करना चाहते हैं, वे कृपया अपना नाम भेज दें।

श्री मधुसूदन मिस्त्री (गुजरात): महोदय, मैं स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री रवि प्रकाश वर्मा : महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री बीरेन्द्र प्रसाद बैश्य (असम): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री राम नाथ ठाकुर (बिहार): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री संजय सिंह (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्री राजमणि पटेल : महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश): महोदय, मैं भी स्वयं को इस विषय से संबद्ध करती हूं।

DR. AMAR PATNAIK: Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRIMATI SAROJINI HEMBRAM: Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

DR. SASMIT PATRA : Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI SAKALDEEP RAJBHAR (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI ABIR RANJAN BISWAS (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRIMATI SHANTA CHHETRI (West Bengal): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

DR. NARENDRA JADHAV (Nominated): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

DR. SONAL MANSINGH (Nominated): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI K.T.S. TULSI (Nominated): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRIMATI VIPLOVE THAKUR (Himachal Pradesh): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

DR. AMEE YAJNIK (Gujarat): Sir, I also associate myself with the issue raisecfby the hon. Member.

SHRIMATI AMBIKA SONI (Punjab): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI JUGALSINH MATHURJI LOKHANDWALA (Gujarat): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

Non-release of MPLADS funds for 2019-20

श्री मधुसूदन मिस्त्री (गुजरात): उपसभापति जी, मैं आपका और एडमिनिस्ट्रेशन का ध्यान हमारी जो MPLADS funds की सुविधा है, जो MPLADS fund मिलता है, उसकी ओर आकर्षित करना चाहता हूं।

महोदय, वैसे भी MPLADS fund हमेशा देर से रिलीज किया जाता है और इस बार, खासकर मेरे राज्य गुजरात के लिए 2019-20 का जो MPLADS fund है, वह अभी तक रिलीज़ नही हुआ है। राज्य सभा के एमपी पूरे प्रदेश के अन्दर अपनी grant देते हैं। देखा गया है कि सिस्टम के अन्दर पैसा release होने के बाद जब तक नीचे से काम के पूरे होने की रिपोर्ट नही आती, तब तक आपके यहाँ या एमपीलैड का जो डिपार्टमैंट है, उसके यहाँ हमारे खाते के अन्दर पैसा जमा है या स्टेट के पास पैसा जमा है, उसका ऐसा निष्कर्ष निकाला जाता है। 2020 में अप्रैल महीने में हममें से बहुत सारे लोग रिटायर हो रहे हैं, यानी अब सिर्फ चार महीने बाकी हैं। हमारे पास हर बार एक ऐसा नोटिस आता है कि जिस पिछले एमपी ने पैसे खर्च नही किए हों, उसके बाकी पैसे सबके बीच बाँटे जाते हैं। एक ऐसी भी रिपोर्ट छपती है कि राज्य सभा के जो एमपी थे, वे अपने पूरे पैसे का इस्तेमाल नही कर सके, इसलिए वे idle थे या उन्होंने इसको neglect किया, हमारे ऊपर प्रेस के अन्दर एक ऐसा धब्बा सा लगता है। उसमें हमारा कोई दोष नही होता है, क्योंकि सिस्टम में कलक्टर या और जो डिपार्टमेंट्स हैं, वे डिपार्टमेंट्स जितनी जल्दी वहाँ से completion report मँगाएँ और यहाँ पर भेजें, उसके बाद ही पैसे release होते हैं।

इसलिए मेरी आपसे विनती है कि चूंकि हम चार महीने के बाद रिटायर हो रहे हैं, क्योंकि यहाँ one-third MPs retire होते हैं, तो उनके पैसे और खास कर मेरे पैसे, जिसके लिए मैंने